pdfformats.com

शनि देव की आरती

जय जय जय शनि देव भक्तन हितकारी|

सूरज के पुत्र प्रभु छाया महतारी|| जय||

श्याम अंक वक्र दृष्टि चतुर्भुजा धारी|

नीलांबर धारी नाथ गज की असवारी|| जय||

किरीट मुकुट शीश रजित दिपत है लीलारी|

मुक्तन की माला गले शोभित बलिहारी||जय||

मोदक मिष्ठान पान चढ़त हैं सुपारी|

लोहा तिल तेल उड़द महिषी अति प्यारी||जय||

देव दनुज ऋषि मुनि सुमिरत नर नारी|

विश्वनाथ धरत ध्यान शरण हैं तुम्हारी||जय||

जय जय जय शनि देव भक्तन हितकारी|